विषय सूची

बाबा बच्चों को माया से कैसे बचाते हैं? 1
ज्ञानी आत्माओं में व्यर्थ संकल्प के कारण 1
सेवा में फुल मार्क्स जमा करने की विधि 1
सूक्ष्म लगाव की जंजीरें 2
बाबा मेरा सुनता ही नहीं: बच्चों का उलहाना और बाबा का उत्तर 2
सेवा में क्रोध का कारण और उसका निवारण 3
रात को सोने की विधि 3
पुरुषार्थ में ढीलापन के तीन कारण और उसका निवारण 4
स्व-चिंतन का मतलब क्या है? 5
सच्ची सेवा क्या है? 5
(बाबा का) हर बच्चा बाबा का प्यारा है। 6
माया के चार गेट 7
स्टूडन्ट और माया 7
टीचर और माया 7
ज्ञानी, योगी, धारणा स्वरूप और सेवाधारी की निशानी 8
झमेला मुक्त बनने की विधि 8
सतयुग, त्रेतायुग में तख्त किसको मिलेगा? रॉयल फैमिली में कौन आयेंगे? 9
सहन करने की विधि 9
रॉयल माँग क्या है? 9
अपने बोल कैसे हो? 10
मन का तन पर प्रभाव 10
दवाई खाने की विधि 11
सेवा में डिस्टर्बन्स कैसे होता है? 11
ब्रह्माकुमारीज इज रिचेस्ट इन धी वर्ल्ड 11
श्रेष्ठ स्मृति से कार्य करना 11
फरिश्ता बनने से बाबा की छत्रछाया का अनुभव 12
पार्टीशन के समय बाबा की छत्रछाया 12
कमजोरी से छूटने की विधि 12
अलबेलापन और उसका रिजल्ट 13

दिल से और दिमाग से 'बाबा' कहने में अन्तर 13
रावण के संस्कार को मेरे संस्कार क्यों कहते हो? 14
सेवा के प्रति ब्रह्माबाबा के मधुर बोल 14
ब्रह्माबाप फरिश्ता क्यों बना? 14
माया और परिस्थितियों को सामना करने की विधि 15
हिम्मते बच्चे, मददे बाप (बीमारी के समय बाबा से मदद लेने की विधि और दाल रोटी की गैरन्टी) 15
अज्ञानी आत्माओं को हिम्मत की टाँग दो 16
माया को चाय-पानी पिलाना 17
बहुत सेवा करने पर भी कभी-कभी प्राप्ति इतनी नहीं होती - इसका कारण और निवारण 17
समय और संकल्प जमा करने में बापदादा को यूज करो 18
सत्यता की शक्ति से बाप के दिल में नम्बर आगे लेने की विधि 18
सेवा में सफलता नहीं मिलती तो दिलशिकस्त मत बनो 19
थकावट से बाहर आने की विधि 19
सेवा या कर्म करते योगयुक्त रहने की सहज विधि 19
सेवा करते थकावट फील ना हो - इसकी विधि 20
सच्चा रहम और स्वार्थयुक्त रहम में अन्तर 20
कभी भी मूड़ ऑफ या परिवर्तन क्यों होता है? 21
प्रश्नचित्त बनने का कारण और उसका निवारण 21
साधन और साधनों का बैलेन्स 21
अच्छे बनने की विधि 22
हिम्मते बच्चे मददे बाप 22
संजीवनी बूटी 22
ब्रह्माबाप की शिक्षा देने की विधि 22
सच्ची खुशी बाँटने की सेवा 23
मरी हुई माया चींटी 23
साथी और साक्षी 23
अचानक और अलबेलापन 24
लौकिक कार्य करते अलौकिक कार्य के निमित्त बनने वालों के नम्बर 24
सेवा और स्वभाव-संस्कार 25
बच्चे की हिम्मत और बाप की मदद 25
हलचल में आने के तीन कारण और उसका निवारण 25

रावण की जायदाद को छोड़ बाप की जायदाद सम्भालो 26
क्रोध के तीन रूप 26
बुराई को देखने की मन की आँख बन्द करना 27
बच्चों के भाग्य की रेखायें 27
बापदादा की चाहना - मास्टर दाता बनो 28
मनोबल द्वारा बेहद की सेवा करने की विधि 28
नजर से निहाल करने की सेवा 29
बेहद की सेवा से बेहद का वैराग्य 29
बेहद की सेवा से दुआयें लेना और देना 29
स्नेह की शक्ति 30
ब्रह्माबाप वतन में क्या करते हैं? 30
ब्रह्माबाप समान बेहद की वैराग्य वृत्ति 30
सारे दिन में बापदादा का साथ 31
ब्राह्मणों की नाजुक नेचर 32
सेवाओं में विघ्न-विनाशक बनने की विधि 32
वी.आई.पी. की सेवा करने की विधि 32
जमा का खाता 33
बच्चों के प्रति बाबा की आज्ञा 33
तेरा कहने से फायदे 33
परमात्म रंग में रंग जाना अर्थात् सेकण्ड में अशरीरी बनना 34
डबल विदेशियों की सेवा 34
आत्माओं की सेवा और जमा का खाता 35
बच्चों के अलबेलेपन के खेल और बापदादा की वॉर्निंग 35
परमात्मा द्वारा तीन स्वरूपों से पालना 36
इंतजार और इंतज़ाम 36
छोटे-छोटे कार्यों में 'हाँ जी' करने से मार्क्स जमा करने की विधि 37
बाप के रिचेस्ट इन धी वर्ल्ड बच्चे 37
बापदादा को सभी को बन्धनमुक्त, जीवनमुक्त बनाना ही है 37
धरनी पर बैठना अर्थात्..... 38
प्रालब्ध अर्थात्..... 38
जीवन बन्ध के सूक्ष्म बन्धन 38
विदेही स्थिति से फायदे 38

लास्ट समय नहीं, लास्ट स्थिति सोचो - सोचने की विधि 38
सेवा और स्थिति का बैलेन्स 39
क्या होगा, यह होगा, वह होगा..... 39
फरिश्ता बनने के लिए सब छोड़ना पड़ेगा 39
मेरी एरिया का मेरापन..... 40
विश्वकल्याणी अर्थात्... 40
चाहे ब्राह्मण भी रुकावट बनकर सामने आये..... 41
सारे दिन के बीच-बीच में ड्रिल करने की विधि और उसके फायदे 41
सफलता ब्राह्मणों का जन्म-सिद्ध अधिकार है 41
निश्चय बुद्धि विजयन्ती..... 42
हिम्मत रखने से सफलता की प्राप्ति 42
मेहनत मुक्त बनने की विधि 42
बाप ने बीती को बिन्दी दिया 42
सभी को दिलखुश मिठाई खिलाने की विधि..... 43
कैसे भी लायक बनाकर साथ ले जाना ही है 43
नये वर्ष में हरेक को एक्सट्रा ताकत देने की विधि 43
बोल कैसे हो? 44
हिम्मत नहीं हो तो भी हिम्मत रखना 44
वारिस अर्थात्... 44
बापदादा से वरदान प्राप्त करने की विधि 44
बाप समान बनना अर्थात् 45
बाप को प्रत्यक्ष करना अर्थात् 45
साधन, साधना और बेहद की वैराग्य वृत्ति 45
सूक्ष्म चेकिंग अर्थात् 46
बेहद की वैराग्य वृत्ति और रहमदिल 46
ब्राह्मणों का काम ही यह है - नाचते रहो, गाते रहो 46
ब्रह्मचारी अर्थात् 47
दुनियावी वा प्राकृतिक हलचल को देखते हुए अचल रहने की विधि..... 47
चारों ओर की हलचल के बीच सेफ्टी का साधन..... 47
विनाश के समय सेफ रहने की विधि 48
संगम पर बापदादा द्वारा सहयोग लेने की सहज विधि 48
ब्राह्मण जीवन में पवित्रता की महानता 49

सेवा में पवित्रता - इसका गुह्य राज़ 49
बहुतकाल का अभ्यास 49
बापदादा बच्चों को किस रूप में देखना चाहते हैं 50
बाप के साथ से मूंझना शब्द डिक्शनरी से निकाल दो 50
मधुबन निवासी अर्थात् 50
पुराने संस्कार से दिलशिकस्त मत बनो 51
बाप के साथ का अनुभव अर्थात् 51
कन्ट्रोलिंग पावर से कर्मातीत स्थिति प्राप्त करने की विधि 52
तीन मास का अभ्यास और सदाकाल का अनुभवी 52
खज़ाने जमा करने की बहुत सहज विधि - बिन्दी लगाना 52
पीछे बैठने वालों को बाबा आँखों में समा लेते हैं 53
मिलन के लिए लाइन में खड़े रहने वाले बच्चों के प्रति... 53
बापदादा का प्यार 53
ज्वाला रूप की योग अग्नि की आवश्यकता और उसके फायदे 54
मास्टर दाता बन हर एक आत्मा को कुछ ना कुछ दो 54
ब्राह्मणों में बेहद की वैराग्य वृत्ति और रहम की आवश्यकता 54
बच्चों के दिलका सच्चा हर्ष 55
याद और सेवा का बैलेन्स 55
समय की पुकार - दातापन की वृत्ति 55
सिवाए बच्चों की याद के बाप रह नहीं सकता 56
एक दिन में भी बाप के वर्से के अधिकारी बन सकते हैं 56
दतापन अर्थात् 56
सेवा और स्व-उन्नति का बैलेन्स 56
साधन और साधना का बैलेन्स 57
आज्ञाकारी अर्थात् 57
समीपता का अनुभव करने के लिए 58
प्राकृतिक हलचल के समय ब्राह्मणों का कर्तव्य 58
कुमारों प्रति : शक्तियों का स्टॉक जमा करो 59
पोतामेल लिखने की विधि 59
कुमारों से: दिल, दिलाराम बाप को दे दो 59
डबल विदेशियों की महिमा 60
बाप का हर बच्चा विशेष 60

दादी जानकी जी से... 61
व्यर्थ वा साधारणता से मुक्त बनो 61
संगमयुग की महिमा इमर्ज रूप में रखो 61
समय का इन्तजार नहीं करो 62
सब बोझ बाप को दे दो 62
ब्राह्मण जीवन मजे का है... 62
हिसाब-किताब से छूटने की विधि 63
बेफिकर बिजनेस मेन 63
हिम्मत नहीं हारो तो बाप की मदद मिलेगी 64
वैज्ञानिकों से... 64
सोश्यल वर्क गवर्मेन्ट को दिखाओ 64
तीनों कालों में बच्चों की श्रेष्ठता 65
मातायें रूहानी गुलाब हैं 65
निःस्वार्थ, स्पष्ट, स्वच्छ संकल्प शक्ति 66
माताओं से : पहले अपने घर को ठीक करना 66
डॉक्टर्स से : डबल डॉक्टर हो सिंगल नहीं 67
बाप की प्रत्यक्षता का आधार 67
नई सदी में 4 बातों का अटेन्शन 68
मन की स्लेट को क्लीन और क्लीयर रखो 68
कैसे भी करके बच्चों को साथ ले ही जाना है 69
'सब चलता है' - यह अलबेलापन समाप्त करो 69
आराम का अर्थ 69
बाप समान बनने का दृढ़ संकल्प 69
डबल फारेनर्स से : भिन्न-भिन्न देशों की सेवा के लिए गये हो 70
रिगार्ड का कार्ड 70
दिल्ही ओ.आर.सी. के प्रति 70
ब्रह्मा बाप को अपना साकार शरीर क्यों छोड़ना पड़ा? 70
त्याग की परिभाषा (त्याग किसको कहा जाता है) 71
ब्रह्मा बाप और ब्राह्मण बच्चों के तपस्या का प्रभाव 71
साइलेन्स की शक्ति और रहमदिल भावना से हलचल को परिवर्तन करना 71
समस्या मुक्त बनने के लिए बुद्धि की लाइन क्लीन और क्लीयर रखो 71
स्वच्छ मन अर्थात्... 72

'मैं फरिश्ता हूँ' - यह नेचरल स्मृति और नेचर बनाओ 72
आखरी समय में सब साधन..... 72
स्पार्क ग्रुप से- हर गुण वा शक्ति का अनुभव कराने की रिसर्च करो 72
सोशल विंग से: बिगड़ी को बनाकर गवर्मेन्ट के सामने प्रत्यक्ष करो 73
परमात्मा हमारा जन्म दिवस मनाते हैं 74
मैं तुम बच्चों का सहारा हूँ 74
कम्पेनियन और कम्पनी को यूज करो 74
क्रोध को अंश सहित बापदादा को गिफ्ट में दे दो 75
बापदादा के सबसे समीप रत्न 75
होली हंस की विशेषता 75
निर्माणता और निर्मानता का बैलेन्स 76
मैंने बहुत सर्विस की फिर भी मेरा नम्बर पीछे क्यों? 76
दिल का चित्र निकालने की मशीनरी 76
मेहनत मुक्त बनने की विधि 77
मन्सा शक्ति द्वारा सेवा को शक्तिशाली बनाओ 77
एडवान्स पार्टी की आत्मायें 77
वतन में एडवान्स पार्टी की आत्माओं की होली 77
हर वर्ग की प्रेक्टिकल रिजल्ट गवर्मेन्ट के सामने लाओ 78
निर्विघ्न सेवा करने की विधि : रिबिन काटना, नारियल तोड़ना 79
5 स्वरूपों का 5 सेकण्ड की एक्सरसाइज का अभ्यास 79
आप मन के मालिक हो... 80
बार-बार धोखा देने वाले संस्कार पर विजय प्राप्त करने की विधि 80
दिल खाली नहीं होगी तो दिलाराम कहाँ बैठेगा..... 81
इज़ी नेचर अर्थात्... 81
मुझे रूहानी मुस्कान ही मुस्कराना है 82
ब्राह्मण अर्थात् 82
विश्व की आत्माओं के उपर रहम करो 82
6 मास में 75 परसेन्ट मुक्त हो सकते हो? 82
हिम्मत का हाथ बहुत शक्तिशाली है 83
ड्रिल : अशरीरी विदेही स्थिति 83
ब्रह्माबाप को फॉलो करो 83
दृढ़ता अर्थात् 84

माया के बहुरूप देख घबराओ नहीं 84
हिम्मतहीन को हिम्मत दे आगे बढ़ाने की विधि 84
बाप बँधा हुआ है एक को पदम देने के लिए 85
साइड़-सीन्स को देख घबराओ नहीं 85
साक्षात्कार की चाबी 85
संस्कार परिवर्तन की विधि 86
योग द्वारा जमा का खाता बढ़ाने की विधि 86
सेवा द्वारा जमा का खाता बढ़ाने की सहज विधि 86
सारे दिन में क्या चेक करना है? 87
कोई कितना भी हिलावे, हिलना नहीं 87
सेवा में माथा भारी न हो उसकी विधि 87
महारथियों द्वारा नई सेवा 88
नये-नये बच्चों की पालना करने की विधि 88
कर्मेन्द्रियों को लव और लॉ से चलाने वाले स्वराज्य अधिकारी 88
अन्तः वाहक शरीर द्वारा सेवा 89
भय से मुक्त होने की विधि 89
भगवान को बाँध लेने वाले होशियार बच्चे 90
प्रकृति के खेल देखते अपनी अवस्था नीचे-ऊपर नहीं करना 90
शिवरात्रि मनाना अर्थात् 90
बापदादा को राजी करने की विधि 91
परिस्थितियों के समय बापदादा की एक्सट्रा मदद 91
बाप का राइट हैण्ड रहमदिल बनो 91
बापदादा का अभी भी बाप का पार्ट चल रहा है। 91
सेवा में अनुभूति की खान खोलो 92
सबसे सहज पुरुषार्थ की विधि 92
पुरुषार्थ की गति में तीव्रता करने की विधि 93
बापदादा हाथ क्यों उठवाते हैं? 93
खुश रहो, ज्यादा गम्भीर नहीं रहो 94
कुमारों प्रति... 94
रूहानियत अर्थात् 94
मनसा सेवा सब कर सकते हैं 95
सच्ची मुबारक अर्थात्..... 95

ब्राह्मण आत्माओं के श्रेष्ठ संकल्प की शक्ति 95
प्रत्यक्षता का आधार खजानों को सफल करो 95
बापदादा को क्या अच्छा नहीं लगता 96
टीचर्स का महत्व 96
बापदादा के अति प्यारे नयनों के नूर हो 96
परमात्म स्नेह की शक्ति 97
भिखारी आत्माओं को भिखारीपन से मुक्त करो 97
निराकारी, निर्विकारी और निरअहंकारी 97
ज्ञान के खजाने का महत्व 98
यथार्थ, सच्ची सेवा की प्राप्ति - आत्मिक खुशी 98
यथार्थ सम्बन्ध-सम्पर्क का अनुभव 98
समस्या को साइड-सीन समझ पार करो 98
वृत्ति द्वारा वायब्रेशन फैलाना 99
वृत्ति द्वारा आत्माओं को परिवर्तन करने की विधि 99
स्पार्क वालों से... 100
विशेषतायें परमात्म देन है 100
समीप आने की निशानी 101
श्रीमत को फॉलो करने से मितने मार्क्स मिलते हैं 101
कई प्रकार का अलबेलापन है 101
कभी यह नहीं सोचना - बापदादा नहीं देखता 102
भाषण करने की विधि 102
वारिस क्वालिटी की बारिश पड़ेंगी, कैसे? 103
अनुभूति कौन करा सकेंगे? 103
परमात्मा को भी अपने और झुकाने की विधि - निर्माणता 103
पुराने संस्कारों को सम्पूर्ण रीति से समाप्त करने की विधि 104
साइडसीन्स 104
लॉ में भी लव महसूस हो 104
बाप को सारे विश्व में कौन पसंद आया? 104
हर ब्राह्मण आत्मा की विशेषता 105
लोगों के पास है ही दुःख, अशान्ति तो क्या देंगे? 105
चाहे झाड़ू लगा रहे हो लेकिन स्वमान क्या है? 105
सारे कल्प में आपकी प्यूरिटी की रॉयल्टी 105

वृत्ति, दृष्टि, कृति में प्युरिटी की परिभाषा 106
आपकी पर्सनालिटी को कोई छिन नहीं सकता 106
बाप आपकी हर सेवा में सहयोग देने वाले हैं 107
निश्चयबुद्धि विजयन्ती 107
स्वयं में निश्चय 107
बाप में निश्चय 107
ड्रामा में निश्चय 107
ब्राह्मण परिवार में निश्चय 108
तन और मन का टाइमटेबल 108
तीव्र पुरुषार्थ के और अलबेलेपन के एक ही शब्द है 109
मैं ही राइट हूँ... 109
अभी-अभी निराकारी, अभी-अभी फरिश्ता 109
ऑलमाइटी अर्थारिटी द्वारा प्राप्त स्वमान 109
फरिश्ता स्वरूप अवस्था बनने के विशेष साधन 109
फोर्स का कोर्स कराओ 110
ड्रिल : अभी-अभी निराकारी, अभी-अभी फरिश्ता 110
बापदादा का यादप्यार - चारों ओर के हर बच्चे को 110
बिन्दु खिसक जाती है 111
भविष्य बहुत उज्जवल है 111
टीचर्स से: उल्हास में लाओ क्लास को 111
प्यासी, अशान्त आत्माओं को सुख-शान्ति की अंचली दो 111
कर्म करते कर्मयोगी स्टेज बनी रहे इसकी विधि 111
सारे दिन मं करावनहार की स्टेज का बार-बार अभ्यास करो 112
अभी अपने रहमदिल और दातापन के संस्कार इमर्ज करो 112
पुण्य का खाता जमा करने की विधि 113
ब्राह्मणों के दृढ़ संकल्प में बहुत शक्ति है 113
संगठित रूप में पॉवरफुल पालना दो 113
ब्राह्मण आत्मायें परमात्म छत्रछाया के अन्दर सदा सेफ है 114
ड्रिल : एक सेकण्ड में निराकरी हो जाओ 114
इस ब्राह्मण जन्म में बाप और बच्चे सदा कम्बाइण्ड है 114
ऐसे मीठे बच्चों को बाप क्या कहें? 114
प्रतिज्ञा कमजोर होने का कारण और उसका निवारण 115

बापदादा से अभी इतना दु:ख देखा नहीं जाता 115
कर्नाटक की धरनी से वारिस बहुत निकल सकते हैं 115
समस्या का समाना करने की विधि - एकाग्राता 116
हर बच्चे को समाधान, समर्थ स्वरूप में देखने चाहते हैं 116
गिरे हुए को गिराना नहीं, गले लगाना 116
रूहानी वायब्रेशन का महत्व 117
ज्ञानसूर्य की ड्रिल 117
सारे कल्प में ब्राह्मण आत्माओं की रॉयल्टी और पर्सनालिटी 117
मनसा, वाचा, कर्मणा, वृत्ति, दृष्टि और कृति में प्युरिटी अर्थात्... 118
बापदादा को हँसी दिलाने वाली बात 118
हरेक को सन्तुष्टता का सहयोग दो 119
स्वमान की सीट पर एकाग्र रहो तो समस्या कार्टून शो लगेगी 119
दिल से बोलो मेरा बाबा तो आपकी समस्या को हल कर देंगे 119
एकाग्रता की शक्ति का महत्व 120
देह में रहते फरिश्ता स्वरूप का अनुभव 120
बापदादा का पवित्रता के प्रति सभी ब्राह्मणों को ऑफिशयल इशारा 120
ड्रिल : मन को एकाग्र करना 121
स्वमान है श्रेष्ठ अभिमान 121
चारों ही सबजेक्ट में अनुभवी अर्थात् 121
बच्चों ने कहा 'बाबा मेरा', बाबा ने कहा 'मैं तेरा' 121
मधुबन में आना और अपने सेवास्थान पर बैठ मुरली सुनना इसमें रात-दिन का फर्क है .. 122
ड्रिल - मैं परमधाम निवासी श्रेष्ठ आत्मा हूँ 122
साधारण कर्म करते भी दर्शनीय मूर्त दिखाई दो 122
बाप का प्रसाद है, 'मैं' कहाँ से आया? 123
मन में आपके बहुत खजाने हैं, उन्हें अब कर्म में लाओ 123
आत्माओं को हिम्मत के पँख लगाओ 123
जमा का खाता चेक करने की विधि 123
सहज जमा का खाता बढ़ाने की चाबी 123
समान बनने के लिए 'मैं-पन' का अभाव हो 124
ड्रिल : अभी-अभी मालिक, अभी-अभी बालक 124
अनुभव कराने की सेवा की विशेषता 124
समाने की शक्ति की परिभाषा 124

माइक की परिभाषा 125
बापदादा को कार्ड नहीं चाहिए, रिकर्ड चाहिए 125
18 जनवरी का महत्व 125
सर्व शक्तियों को शक्ति को ऑर्डर करने की विधि 125
सर्व आत्माओं को शक्ति की समर्थी देने की विधि 126
आपके सफलतामूर्त बनने से आत्माओं को तृप्ति की सफलता प्राप्त होगी 126
ड्रिल : बाप समान अव्यक्त रूपधारी बनो 126
सदा स्व-स्थिति और सेवा का बैलेन्स हो 126
आप पूर्वज और पूज्य हो 127
सारे विश्व को आपके सकाश की आवश्यकता है 127
निर्विघ्न स्थिति बनाने की सहज विधि 128
ऑपोजीशन ही पोजीशन तक पहुँचाती है 128
ड्रिल - चारों ओर लाइट-माइट का सकाश दो 128
निमित्त भाव - गुणों की खान है 128
महीन मैं-पन क्या है? 129
यह मरना भगवान की गोदी में जीना है 129
बापदादा हर बच्चे को किस दृष्टि से देखते हैं? 129
बिन्दु का महत्व 129
मैं वर्ल्ड सर्वेन्ट हूँ 130
सभी को सहयोग की दिलखुश मिठाई खिलाओ 130
टू-मच गम्भीर नहीं रहो, मुस्कुराओ 130
बाप को सबसे बढ़िया चीज़ लगती है - सच्चाई 131
पुराने संस्कारों को जलाने की विधि 131
संस्कार बदलो तो संसार बदल जायेगा 131
मधुबन निवासियों की विशेषता 132
बड़ी दिल की विशेषता 132
ज्ञान धन का महत्व 132
गेट खोलने की जिम्मेवारी आपके ऊपर 132
स्व-परिवर्तन से ब्राह्मण परिवार परिवर्तन 132
संकल्पों में एकाग्रता क्यों नहीं होती? 133
बहुत काल का पुरुषार्थ 134
रहम का महत्व 134

बापदादा का प्यार हर एक बच्चे से एक दो से ज्यादा है 134
वेस्ट को खत्म करने की विधि 134
दूसरों को परिवर्तन करने की श्रेष्ठ विधि 135
सर्व शक्तियाँ हज़र हाज़िर कब करेगी? 135
सम्मान देना अर्थात्.....135
बड़े प्रोग्राम से सच्ची सफलता पाने की सहज विधि 136
ड्रिल : मैं फरिश्ता सो देवता हूँ 136
माया का पपेट शो 136
मधुबन में सेवा से लाभ लेने की विधि 136
बेफिकर बादशाह बनने की विधि 137
कोई बददुआ दे तो क्या करना है? 137
बापदादा के दिल की आशा - हर बच्चा दुआयें देता रहे 138
यज्ञ सेवा वा ब्रह्मा भोजन का महत्व 138
अति झगड़ालू को शान्तिमय बनाके दिखाओ 138
बाप आत्माओं की दुःख, परेशानियों को देख नहीं सकते 139
तीव्र पुरुषार्थ क्या है? 139
शुभ भावना, शुभ कामना का महत्व 139
सच्चे ट्रस्टी है तो बापदादा कभी भूख नहीं रख सकता 140
पत्र लम्बा नहीं लिखना 140
परमात्म खजानों की गोल्डन चाबी 140
जीवनमुक्ति का मजा अनुभव करने की सहज विधि 141
ब्रह्मा बाप कमल आसनधारी 141
जीवनमुक्ति के मास्टर दाता बनने की विधि 141
जमा के खाते का महत्व 141
सेवा में बेहद की वृत्ति क्यों कम होती है? 142
लेकिन का अर्थ... 142
बापदादा कहते हैं किचड़ा दे दो बस 142
स्वयं को बदलेंगे तो वह भी बदल जायेगा 143
बच्चों के भाग्य की रेखायें 143
अन्तिम समय में फुल प्वाइंटस लेने की विधि 143
व्रत रखना अर्थात् श्रेष्ठ वृत्ति बनाना 143
प्रसाद कभी किसका पर्सनल नहीं गाया जाता 144

बापदादा हर बच्चे को मेहनत से मुक्त करने आये हैं 144
मेहनत के काम को सहज करने की विधि 144
होली का महत्व 144
शिव बाप परमधाम से क्यों आये हैं? 145
सेवा के फल को मजबूत बनाने की विधि 145
स्टॉप और स्टॉक 146
मास्टर सूर्य बन अनुभूति की किरणें फैलाओ 146
डबल विदेशियों के लम्बे इ-मेल 146
बाबा की मदद 146
कमजोरी को बाप को देने की विधि 147
हिम्मत 147
दृष्टि 147
फरिश्ता अर्थात्... 147
मैं और मेरा 148
दूसरों के प्रति शुभभावना और शुभकामना 148
मुस्कुराहट के बोल और चेहरा 148
स्टूडेन्टस की पालना सेन्टरर्स पर 148
वायदा का फायदा उठाने की विधि 149
सफलता की विधि 149
शिक्षा देने की विधि 149
तेरे में मेरा नहीं करो 150
वाह-वाह के गीत 150
बाप को बोझ देना 150
पुराने संस्कार 151
योग अग्नि 151
अनुभव करने का प्रोग्राम 151
आप पूर्वज हो 152
ड्रिल : परमात्म साथी बन सर्व शक्तियों की किरणें दो 152
सेवा में 100 परसेन्ट मार्क्स जमा करने की विधि 152
बुराई को समझने और समाने में अन्तर 152
परमात्म स्नेह की महानता 153
हर समय महादानी, अखण्ड दानी बनो 153

विघ्नमुक्त, समस्या मुक्त, मेहनत मुक्त बनने की विधि 153
बड़े प्रोग्राम में अनुभव कराने का लक्ष्य रखो 154
कोई भी समस्या क्या है? मच्छर और मक्खी 154
ऑपोजीशन से पोजीशन में... 155
ड्रिल : पुरुषोत्तम संगमयुगी श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्मा हूँ 155
बच्चों का सबसे पहला स्वमान 155
आप साधारण नहीं हो 155
जितना आगे बढ़ते हैं उतना अलबेलापन आता है.....156
जमा का खाता चेक करने और बढ़ाने की चाबी (विधि) 156
मैं-पन की पूँछ को जलाओ 156
पाण्डव भवन में 4 धाम की यात्रा 157
सोचता स्वरूप और स्मृति स्वरूप में अन्तर 157
अनुभवी स्वरूप अर्थात् ... .157
सेकण्ड में परिवर्तन शक्ति को कार्य में लगाओ 158
ड्रिल : एक सेकण्ड में एकाग्र होकर बैठो.....158
पहले अपने ऊपर रहम करो फिर ब्राह्मण परिवार के ऊपर रहम करो.....159
दादियों से सीखो.....159
मेरा मीठा बाबा 160
बापदादा को भी क्वेश्चन है कब तक? 160
आप बच्चों के सिवाए और कौन करेगा? 160
अभी कोई नई इन्वेन्शन तैयार करो 161
जमा हुआ या नहीं हुआ - यह चेक करने की विधि 161
सहज निरंतर योगी बनने की विधि 161
ड्रिल : मन के मालिक बन एकाग्र स्मृति में स्थित रहो 161
बात को चला लो, खुशी नहीं चली जाये 162
परमात्मा बाप और परमात्म बच्चों का प्यार 162
बच्चों के अलबेलेपन, आलस्य और बहानेबाजी के खेल.....162
झूठ को झूठ की कर दो ना, बढ़ाते क्यों हो? 163
गोदरेज का ताला नहीं, गॉड का ताला लगाना 163
दादीजी की विशेषता.....163
बहानेबाजी, आलस्य और अलबेलापन समाप्त करने की ड्रिल.....164
परमात्म संग का रंग.....164

परमात्मा मेरे दिल में रहता है 164
पुराने संस्कारों को गलती से भी मेरा नहीं कहना 164
चाहे कैसा भी कड़ा संस्कार हो हिम्मत कभी नहीं हारो 165
मन्सा सेवा का रेस्पॉन्स प्रैक्टिकल में कम है, क्यों? 165
सबसे सहज सेवा का साधन 166
राँग को राँग तो कहेंगे ना.....166
कोई भी बात मन में नहीं रखो.....167
विश्व परिवर्तन करने के लिए क्या याद रखना है 167
अन्दर गम्भीरता हो, बाहर चेहरा मुस्कुराता हो.....167
हलचल में घबराना नहीं है, गहराई में जाना है 167
ड्रिल : पाँच मिनट में पाँच स्वरूप 168
बच्चों के भाग्य की रेखायें 168
बहुतकाल के तीव्र पुरुषार्थ की निशानियाँ 168
पुण्य का खाता जमा करने की विधियाँ 169
दादीजी की विशेषता - हद के मैं-पन, मेरापन से न्यारा 169
अभी ज्यादा से ज्यादा बनी-बनाई स्टेज पर चान्स लो 169
नींद पीछे करना, पहले ड्रिल करना 170
ड्रिल : एक सेकण्ड में स्वराज्य की सीट पर सेट हो जाओ 170
जिसको शान्ति, हिम्मत, उमंग-उत्साह चाहिए वह आपकी एड्रेस पर पहुँचे 170
छोड़ो तो छूटे 170
प्वाइंट बनकर प्वाइन्ट को यूज करो 171
कोई कुछ भी दे लेकिन मुझे दुआ देनी है और लेनी है 171
कोई भी कमी, कमज़ोरी बाप को दे दो, क्यों रखी है? 171
मध्य के संस्कारों को मेरा क्यों कहते हो? 172
आप बाप के गले के हार हो 172
जो भी आवे कुछ लेके जावे 173
सच्ची सेवा का प्रत्यक्ष प्रमाण क्या है? 173
कोई भी कार्य आरम्भ करने की विधि 173
रावण के संस्कार को मेरा कहना ही राँग है 173
कनेक्शन वालों की पालना कर रिलेशन में लाओ.....174
अधिकारी की ड्रिल.....174
रहम और हिम्मत भरी शिक्षाओं द्वारा वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाओ 174

हिम्मत कम होती है तो बाप की मदद अनुभव नहीं होती 174
सभी ब्राह्मण एक दो में अपना-पन अनुभव करें 175
तीव्र पुरुषार्थी के लक्षण 175
अभी मन्सा सेवा करो 175
स्वीट साइलेन्स की स्टेज 176
खजानों को सफल करने की विधि 176
गुणदान करने की विधि 176
हम ही बने थे, हम ही है और हम ही बनते रहेंगे 177
बापदादा से दिल का स्नेह 177
बाप ने कहा है बोझ मुझे दे दो 177
परमात्म स्नेह और संगमयुग के आत्मिक मौज की ड्रिल 178
पाण्डव सदा पाण्डव पति के साथ और साथी 178
कुमारियों से : बापदादा के निर्विघ्न मददगार बनो 178
सारे कल्प में आप आत्माओं की प्युरिटी की रॉयल्टी 179
वृत्ति, दृष्टि और कृत्ति में पवित्रता अर्थात् ... .180
किसी से दु:ख लेना अर्थात् ... .180
समय की समीपता को कॉमन बात नहीं समझना 180
सकाश अर्थात् 180
बापदादा के वरदानों को अमर बनाने की विधि 181
ड्रिल : मैं अनादि ज्योति बिन्दु स्वरूप हूँ 181
मन-बुद्धि को एकाग्र करने का अभ्यास इसको हल्का नहीं करो 181
शान्ति की शक्ति का महत्व 181
टॉप की स्टेज 182
माया को अपने पास बिठाना अर्थात् ... .182
समय पर विजय प्राप्त करने की विधि 183
वर्तमान समय साइलेन्स की शक्ति जमा करने की आवश्यकता 183
रावण की चीज़ को मेरा नहीं कहो 183
बापदादा मदद करना माना ही इम्तहान नहीं लेना 183
साइलेन्स की शक्ति की ड्रिल 184
तीन प्रकार का जमा का खाता 184
'कारण' शब्द को परिवर्तन करो 184
ताज, तख्त और तिलकधारी की ड्रिल 185

ड्रिल : मेरा बाबा, मीठा बाबा, प्यारा बाबा 185
संतुष्टता का महत्व 185
वरदान को फलीभूत करने की विधि 186
अनुभवी स्वरूप बनने की परिभाषा 186
किसी भी परिस्थिति में स्व-स्थिति में स्थित होने की ड्रिल 186
संतुष्टता की शक्ति का महत्व 186
फॉलो फादर करने की सबसे सहज विधि 187
दूसरों की असन्तुष्टता से न्यारा रहने की विधि 187
क्या गलत, गलत को ठीक कर सकता है? 187
किसी की गलती ठीक करने की विधि 188
बापदादा की गेरन्टी है विजय माला का मणका बनायेंगे 188
अशरीरी-पन के अभ्यास की आवश्यकता 188
ड्रिल : अशरीरी स्थिति में न्यारा और बाप का प्यारा बनना 189
आगे का समय अति हाहाकार का होगा 189
बाप का नि:स्वार्थ और अविनाशी स्नेह 189
बापदादा करावनहार है 189
ड्रिल : एक सेकण्ड में एकाग्र हो परमधाम निवासी बन जाओ 190
पवित्र आत्मा को प्राप्त होने वाले तीन विशेष वरदान 190
सेकण्ड में फुल स्टॉप लगाने का महत्व 190
प्युरिटी की पर्सनैलिटी, रियल्टी और रॉयल्टी 190
यह तो बदलना ही नहीं है - यह श्राप नहीं दो 191
घर से बाहर नहीं निकल सकेंगे तो क्या करेंगे? 191
फुलस्टॉप लगाने की भट्ठी हर सेन्टर पर करो 191
अभी पुरुषार्थ का समय गया... 191
अलबेलापन और रॉयल आलस्य 192
लॉ एण्ड ऑर्डर की परिभाषा 192
अचानक, एवररेडी और बहुतकाल 192
गे, गे, तो, तो - यह तो चलता ही है, अब यह भाषा बदली करो 193
अन्तर्मुखी होकर 5 मिनट जरूर निकालो 193
बुरी दृष्टि वालों को आप दिखाई नहीं देंगे, लाइट दिखाई देंगी 194
परिवर्तन शक्ति का वरदान 194
सिर्फ दिल से कहना मेरा बाबा 195

बाप को बोझ दे दो 195
दृढ़ता सफलता की चाबी है 195
कोई भी बात आवे दिल से ऑर्डर करो मेरा बाबा 195
बाबा से अनुभव क्यों नहीं होता? 195
दादीजी की विशेषता : दिल साफ मुराद हाँसिल 196
40 वर्ष की अव्यक्त पालना का रिटर्न 196
फरिश्ता अर्थात् ... .197
मीठी अशरीरी स्थिति 197
संस्कार को मिलाना अर्थात् फरिश्ता बनना 198
देह-अभिमान की परिभाषा क्या है? 198
सेवा और धारणा के बैलेन्स की आवश्यकता 198
कभी दिल छोटी नहीं करना 199
माया के फॉलोअर्स की निशानियाँ 199
बच्चे माया की कौन-सी खातरी करते हैं? 199
90 परसेन्ट आपका तीव्र पुरुषार्थ है तो बापदादा 10 परसेन्ट बढ़ाकर देंगे 200
खुशी दिल के गीत की चाबी है 200
बाबा का वायदा है आप सबको दाल-रोटी जरूर खिलायेगा 200
पुराने संस्कारों को मेरा बना देना यह माया की चतुराई है 201
चतुर बच्चे बाप को भी याद कराते हैं, आप कौन हो? 201
सारे दिन में जब भी टाइम मिले फरिश्ते की ड्रेस पहन लो 202
मम्मा, दीदी और दादी के बोल 202
ज्ञान पहले नहीं दो, मेडिटेशन द्वारा आध्यात्मिक शक्ति अनुभव कराओ 202
कहते हैं मेरा बाबा और करते क्या हैं? 203
खजानों को बढ़ाना अर्थात् समय पर कार्य में लगाना..... 203
परिवार की उन्नति के लिए वा निर्विघ्न यज्ञ के लिए रोज़ अमृतवेले 10 मिनट टाइम दो . 204
बेहद की वैराग्य वृत्ति की आवश्यकता 204
कोई ऐसा कड़ा नास्तिक को आस्तिक बनाओ 205
संगम के समय का महत्व..... 205
चेहरे व चलन से अलौकिकता का साक्षात्कार 205
बापदादा को सारे दिन के चार्ट सुनाने के फायदे 205
माया को गेट आउट करो और स्वयं को गेस्ट हाऊस में समझो 206
वर्तमान के पुरुषार्थ में क्या चेक करना है? 206

आपके मन में चिन्ता नहीं प्रभु चिंतन है 207
खुशी अविनाशी बाप की देन है 207
बापदादा अभी हरेक का रहमदिल का पार्ट देखना चाहते हैं 207
बापदादा के कार्य की नवीनता मातायें हैं 207
बापदादा रोज़ अमृतवेले विशेश शक्ति बाँटते हैं 208
संतुष्टमणि की निशानियाँ 208
वरदान को फलीभूत करने की विधि 208
अभी तीव्र पुरुषार्थ का समय है 209
बापदादा का 15 दिन का होमवर्क 209
बाप के साथ-साथ 'स्व' में भी निश्चय की आवश्यकता 210
ड्रामा में निश्चय की आवश्यकता 210
परिवार के साथ चलने की विधि 210
फर्स्ट डिविजन में कौन आयेंगे? 211
सब राजा बन जायें तो प्रजा कौन बनेगा? 211
माया और प्रकृति दोनों रेडी हैं 211
12 बार निराकारी रूप और 12 बार फरिश्ता स्वरूप में स्थित रहो 212
मन्सा सेवा द्वारा बाप की तरफ आकर्षित करो 212
करावनहार करा रहा है 213
दिन में 24 बार ड्रिल करने की आवश्यकता 213
ऑलमाइटी अर्थार्टी द्वारा दी हुई स्वमान की अथार्टी में रहो 213
बातें बाप को दे दो 214
वारिस की निशानी 214
कर्म करते करावहार मालिक की सीट पर सेट रहो 215
समय पर शक्ति को ऑर्डर करने की विधि 215
हर कर्म करते मन का टाइम-टेबल फिक्स करो 216
अभी फोर्स का कोर्स कराओ 216
अनुभवी स्वरूप को कोई भी हिला नहीं सकता 216
पुरुषार्थ में मेहनत का कारण और उसका निवारण 217
एवररेडी अर्थात् 217
ज्ञान, योग, धारणा और सेवा स्वरूप की परिभाषा 218
गिरे हुए को उठाने का पुण्य 218
दूसरे के संस्कार अपनी शुभभावना को कम नहीं करे 218

कैसा भी है लेकिन मेरा है 219
बापदादा के जन्म दिन पर सन्देश देने की मिठाई बाँटो 219
बापदादा के जन्मदिन पर क्रोध की गिफ्ट दो 219
क्रोध आने का कारण 'क्यों' की क्यू 220
हाथ उठाया अर्थात् क्रोध बाप को दे दिया 220
बापदादा सभी को खिला हुआ गुलाब देखना चाहते हैं 221
3 प्रकार का 'मैं' 221
चली जाने वाली बात के पीछे अपनी तकदीर नहीं गँवाना 221
परिस्थितियों के बीच माइण्ड कन्ट्रोल की ड्रिल 221
संगमयुग की खुशी परमात्म गिफ्ट है 222
परमात्मा कहाँ है? 222
अभिमान और अपमान के व्यर्थ संकल्प 222
अभी आत्माओं को एक्सट्रा सकाश चाहिए 223
आत्माओं को अनुभव कराओ कि भगवान वर्सा दे दहा है 223
समाप्ति का समय समीप लाने के लिए व्यर्थ को समाप्त करो 223
अभी अपना दयालु, कृपालु स्वरूप को इमर्ज करो 223
जितना सोचते हो उतना जमा नहीं होता 224
चाहे ज़ोन अलग है लेकिन सब एक है और एक के है 224
आप मुरझायेंगे तो विश्व का क्या हाल होगा 224
पूर्वज के नशे में रह आत्माओं की पालना करो 225
एक समय में तीन रूप से इकट्ठी सेवा करो 225
सेवा के सफलता की तीन बातें 225
एक-दो को आत्मा देखने की विधि और उसके फायदे 226
कोई बददुआ दे तो आप लो नहीं 226
ब्राह्मण परिवार में बातें समाप्त करने के लिए बापदादा का होमवर्क 226
बीती बात बाप को दे दो 227
बात हो गई लेकिन खुशी क्यों जाये 227